PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	The Statesman
Language/Frequency	English/Daily
Page No.	03
Date	13th October 2017

The Statesman

Kathak performance enthralls students

STATESMAN NEWS SERVICE
GURUGRAM, 12 OCTOBER

In an attempt to sensitise students about Indian culture, Gurugram-based Suncity School organised a SPIC-MACAY programme at which renowned danseuse Shovana Narayan enthralled students with a scintillating Kathak performance.

The audience, including students from Shiv Nadar School, Amity International and a 25-member delegation from Lycee L'Oiselet, France, sat glued to their seats as she started her performance with a prayer to Lord Vishnu and narrated Draupadi's cheerharan from the Mahabharat through her performance. She also performed the rhythmic patterns of various animals and asked students to guess them.

"Kathak is a 2500-year-old dance form. It completely reinvigorates me and it is a pleasure to perform before students," said Narayan.

Trained under Guru Birju Maharaj, she hails from Lucknow and Jaipur Gharana of Kathak. A former Indian Accounts and Audit service officer, she is a role model for youth by combining two parallel careers with dignity. As a 'choreographer-performer', Narayan has spearheaded and produced international collaborative works with leading dancers of Western classical ballet, Spanish Flamenco, tap dance, Buddhist chants with Buddhist monks as well as to the compositions of western classical composers. She has also authored several books on dance.

"At Suncity School, we strive to create a balance between academics and extra-curricular activities. Indian classical dance is the foundation of our culture and such a scintillating performance speaks volumes about our Indian culture. We will continue in our endeavor to instill appreciation about Indian culture among students," said Rupa Chakravarty, Principal, Suncity School.

"Shovana ma'am's performance left me spellbound. Since I am also learning Kathak, she is my role model. Her ability to harmoniously integrate two careers is inspiring," said Tarini Khatri, a student of Suncity School.

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Dainik Jagran
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	VII
Date	13th October 2017

दैनिक जागरण

स्कूल के कार्यक्रम में पहुंची कथक नृत्यांगना शोवना

जागरण संवाददाता, नया गुरुग्राम: भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के लिए स्थित सनसिटी स्कूल ने स्पिक मैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल के अलावा शिव नादर स्कूल, तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा। फ्रांस से आए प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ-साथ अन्य दर्शक भी प्रस्तुति को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए।

कार्यक्रम भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव के साथ शुरू हुआ। गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित, शोवना नारायण लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं। यह एक पूर्व भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा अधिकारी रही हैं। कोरियोग्राफर-परफॉर्मर के रूप में शोवना नारायण ने पश्चिमी शास्त्रीय बैले के अग्रणी नृत्यांगनाओं, स्पेनिश फ्लैमेंको, टैप डांस, बौद्ध भिक्षुओं के साथ बौद्ध भक्तों के साथ-साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीतकारों की रचनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों के साथ कार्य और नेतृत्व किया है।

बातचीत में शोवना ने बताया कि कथक 2500 वर्ष पुरानी नृत्य कला है। उन्हें यह करने का उत्साह है और छात्रों के समक्ष प्रस्तुति देकर बहुत खुशी मिलती है।

सन सिटी स्कूल में कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण

शोवना नारायण के पास कई उपलब्धियां हैं, जिनमें पद्म श्री, संगीत नाटक पुरस्कार, परिषद सम्मान, राजीव स्मृति पुरस्कार और बिहार गौरव पुरस्कार शामिल हैं। इस अवसर पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि स्कूल में शैक्षिक और अन्य गैर शैक्षिक गतिविधियों के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं। इस तरह का बेहतरीन प्रदर्शन हमारे भारतीय संस्कृति के बारे में बताता है।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	02
Date	13th October 2017

पंजाब केसरी

कत्थक नृत्यांगना के नृत्य पर मंत्रमुग्ध हुए छात्र

गुरुग्राम ,सतबीर भारद्वाज, (पंजाब केसरी) :भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के तत्वाधान में गुड़गांव स्थित सनसिटी स्कूल ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल, तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा और मंत्रमुग्ध हो गए। फ्रांस से आये प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ-साथ अन्य दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव के साथ शुरू हुआ। उन्होंने विभिन्न जानवरों के लयबद्ध भाव भंगिमा के प्रदर्शन द्वारा छात्रों से उन जानवरों का नाम भी पूछा।

गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित, शोवना नारायण लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं। यह एक पूर्व भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा अधिकारी रही हैं तथा दो समानांतर करियर को एक साथ लेकर चलने और दोनों में बेहतरीन करने के कारण युवाओं के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत हैं। कोरियोग्राफर परफार्मर के रूप में शोवना नारायण ने पश्चिमी शास्त्रीय बैले के अग्रणी नृत्यांगनाओं, स्पेनिश फ्लैमेन्को, टैप डांस, बौद्ध भिक्षुओं के साथ बौद्ध भक्तों के साथ-साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीतकारों की रचनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों के साथ कार्य और नेतृत्व किया है। उन्होंने नृत्य पर कई किताबें भी लिखी हैं। नृत्य के बाद शोवना नारायण से बात करने पर उन्होंने बताया कि कत्थक 2500 वर्ष पुराना नृत्य कला है। मुझमें यह करने का उत्साह है और छात्रों के समक्ष प्रस्तुति देकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। शोवना नारायण के पास कई उपलब्धियां हैं, जिनमें पद्म श्री, संगीत नाटक पुरस्कार, परिषद सम्मान, राजीव स्मृति पुरस्कार और बिहार गौरव पुरस्कार शामिल हैं।

इस अवसर पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि सनसिटी स्कूल में शैक्षिक और अन्य गैर शैक्षिक गतिविधियों के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। इस तरह का बेहतरीन प्रदर्शन हमारे भारतीय संस्कृति के बारे में बताता है। हमारी यह कोशिश लगातार जारी रहेगी की छात्र भारतीय संस्कृति को बखूबी जानें और समझें।

Publication	Dainik Bhaskar
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	02
Date	13th October 2017

दैनिक भास्कर

आयोजन | कथक गुरु शोवना नारायण ने अपने नृत्य से बढ़ाया स्टूडेंट्स का उत्साह

नृत्य के जरिए विष्णु प्रार्थना की दी प्रस्तुति

फ्रांस के प्रतिनिधिमंडल ने 25 सदस्यों के साथ कथक का आनंद लिया

भास्कर न्यूज. गुड़गांव

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के लिए सनसिटी स्कूल ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स ने प्रख्यात कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा।

फ्रांस से आए प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ अन्य दर्शकों ने भी कथक का आनंद लिया। शोवना ने भगवान विष्णु की प्रार्थना और द्रौपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव अपने नृत्य के जरिए दर्शकों को दिखाए। उन्होंने बताया कि कथक 2500 साल पुरानी नृत्य कला है। इसे करने को वो उत्साहित रहती हैं। छात्रों के सामने प्रस्तुति देकर भी बेहद खुशी मिलती है। बता दें कि शोवना के पास कई उपलब्धियां हैं, जिनमें पद्म श्री, संगीत नाटक पुरस्कार, परिषद सम्मान, राजीव स्मृति पुरस्कार और बिहार गौरव पुरस्कार शामिल हैं। सनसिटी स्कूल प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि स्कूल में शैक्षिक और अन्य गैर शैक्षिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है। हमारी कोशिश रहेगी कि स्टूडेंट्स भारतीय संस्कृति को बखूबी जाने और समझें।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Aaj Samaj
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	04
Date	13th October 2017

आज समाज

कत्थक नृत्य के कायल हुए विदेशी

गुरुग्राम स्थित सनसिटी स्कूल में कार्यक्रम पेश करती नृत्यांगना शोभना नारायण।

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के तत्वाधान में यहां सनसिटी स्कूल ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा। फ्रांस से आये प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ-साथ अन्य दर्शक भी शोवना नारायण के नृत्य के मुरीद हो गए। कार्यक्रम भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव के साथ शुरू हुआ। उन्होंने विभिन्न जानवरों के लयबद्ध भाव भंगिमा के प्रदर्शन द्वारा छात्रों से उन जानवरों का नाम भी पूछा। गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित, शोवना नारायण लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं। यह एक पूर्व भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा अधिकारी रही हैं तथा दो समानांतर करियर को एक साथ लेकर चलने और दोनों में बेहतरीन करने के कारण युवाओं के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत हैं। 'कोरियोग्राफर-परफॉर्मर' के रूप में शोवना नारायण ने पश्चिमी शास्त्रीय बैले के अग्रणी नृत्यांगनाओं, स्पेनिश फ्लैमेन्को, टैप डांस, बौद्ध भिक्षुओं के साथ बौद्ध भक्तों के साथ-साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीतकारों की रचनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों के साथ कार्य और नेतृत्व किया है। उन्होंने नृत्य पर कई किताबें भी लिखी हैं। यहां शोवना नारायण से बात करने पर उन्होंने बताया कि कत्थक 2500 वर्ष पुराना नृत्य कला है।

Publication	Gurgaon Mail
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	07
Date	13th October 2017

गुड़गांव मेल

कत्थक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण ने नृत्य द्वारा सनसिटी के छात्रों को किया मंत्रमुग्ध

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 11 अक्तूबर। भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के तत्वाधान में गुडगाँव स्थित सनसिटी स्कूल ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया और इस कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल,शिव नादर स्कूल,तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा फ्रांस से आये प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ-साथ अन्य दर्शक भी अपने कुर्सी से चिपक के बैठे रहे कार्यक्रम भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव के साथ शुरू हुआ उन्होंने विभिन्न जानवरों के लयबद्ध भाव भंगिमा के प्रदर्शन द्वारा छात्रों से उन जानवरों का नाम भी पूछा।

गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित, शोवना नारायण लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं यह एक पूर्व भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा अधिकारी रही हैं तथा दो समानांतर करियर को एक साथ लेकर चलने और दोनों में बेहतरीन करने के कारण युवाओं के लिए एक आदर्श प्रेरणास्त्रोत हैं।

कोरियोग्राफर-परफॉर्मर के रूप में, शोवना नारायण ने पश्चिमी शास्त्रीय बैले के अग्रणी नृत्यांगनाओं, स्पेनिश फ्लैमेन्को, टैप डांस, बौद्ध भिक्षुओं के साथ बौद्ध भक्तों के साथ-साथ पश्चिमी शास्त्रीय संगीतकारों की रचनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों के साथ कार्य और नेतृत्व किया है। उन्होंने नृत्य पर कई किताबें भी लिखी हैं

इस अवसर पर सनसिटी स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि हम सनसिटी स्कूल में शैक्षिक और अन्य गैर शैक्षिक गतिविधियों के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं भारतीय शास्त्रीय नृत्य हमारी संस्कृति का आधार है और इस तरह का बेहतरीन प्रदर्शन हमारे भारतीय संस्कृति के बारे में बताता है हमारी यह कोशिश लगातार जारी रहेगी की छात्र भारतीय संस्कृति को बखूबी जानें और समझें

इस कार्यक्रम में शामिल सनसिटी स्कूल के एक छात्रा तारिणी खत्री ने बताया कि शोवाना मैम के प्रदर्शन ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया चूँकि मैं भी कत्थक सीख रही हूँ तो वह मेरी आदर्श हैं उनके द्वारा दो कैरियर को एक साथ बेहतरीन तरीके से ले कर चलना अपने आप में एक प्रेरणास्त्रोत है।

Publication	Pioneer
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	02
Date	13th October 2017

पायनियर

शोवना नारायण के कथक के मुरीद हुए विदेशी मेहमान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बताने के तत्वाधान में यहां सनसिटी स्कूल ने स्पाईमैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल तथा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने प्रख्यात कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण के नृत्य को उत्साह के साथ देखा।

फ्रांस से आए प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्यों के साथ-साथ अन्य दर्शक भी शोवना नारायण उनके नृत्य के मुरीद हो गए। कार्यक्रम भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण के भाव-अनुभाव के साथ शुरू हुआ। गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित, शोवना नारायण लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं।

गुरुग्राम स्थित सनसिटी स्कूल में कार्यक्रम पेश करती नृत्यांगना शोवना नारायण।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	04
Date	13th October 2017

अमर उजाला

शोवना नारायण ने कथक से मोहा

गुरुग्राम। सेक्टर-54 स्थित सनसिटी स्कूल में बृहस्पतिवार को स्पाईमैके के कार्यक्रम में कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने हिस्सा लिया। फ्रांस से आए प्रतिनिधिमंडल के 25 सदस्य और अन्य दर्शक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान विष्णु की प्रार्थना और महाभारत के द्रोपदी चीरहरण प्रकरण से हुई। शोवना ने विभिन्न जानवरों की भाव भंगिमा का लयबद्ध प्रदर्शन कर छात्रों से उन जानवरों के नाम पूछे। गुरु बिरजू महाराज की छत्रछाया में प्रशिक्षित शोवना लखनऊ और जयपुर कथक घराने से हैं। वे भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा की अधिकारी भी रह चुकी हैं। उन्होंने कोरियोग्राफर के रूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने नृत्य पर कई किताबें भी लिखी हैं। उन्होंने बताया कि कथक 2500 वर्ष पुरानी नृत्य कला है। यहां सनसिटी स्कूल की प्रधानाचार्य रूपा चक्रवर्ती भी मौजूद रहीं। ब्यूरो

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	04
Date	13th October 2017

NBT नवभारत टाइम्स

शोवना नारायण ने दी कथक की प्रस्तुति

प्रस, गुड़गांव : कथक नृत्यांगना पद्मश्री शोवना नारायण की प्रस्तुति पर गुरुवार को स्कूली छात्रों ने जमकर आनंद लिया। इस दौरान फ्रांस से आए 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने तालियां बजाकर सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन स्पिकमैके की ओर से सनसिटी स्कूल में किया गया।

कथक के दौरान सनसिटी स्कूल, शिव नादर स्कूल व ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल के छात्र मौजूद रहे। नृत्य के बाद शोवना नारायण ने बताया कि कथक 2500 वर्ष पुरानी नृत्य कला है। छात्रों के सामने प्रस्तुति देकर खुशी मिलती है।